डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय

मई 2022

कुलपति ने संचार एवं पत्रकारिता विभाग के उन्नयन के लिए दिए दिशा-निर्देश

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पत्रकारिता विभाग के निरीक्षण के दौरान कहा कि मीडिया और समाज का अटूट रिश्ता है. मीडिया शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ-साथ हमें समाज के बीच जाकर काम करना चाहिए. इसके लिए उन्होंने विभाग के उन्नयन की रूपरेखा पर विभागाध्यक्ष और विभागीय शिक्षकों से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विभाग के नए भवन का कार्य जल्द ही शुरू होगा और उसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी. उन्होंने कहा कि नियमित अंतराल पर पत्रकारिता विषय में विद्यार्थियों के लिए उपयोगी विशेष व्याख्यान और मीडिया विजिट्स भी आयोजित किये जाएँ जिससे उन्हें विषय के साथ-साथ मीडिया इंडस्ट्री की कार्यप्रणाली की भी समुचित जानकारी हो सके। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी ली और समाज एवं विद्यार्थियों के लिए उपयोगी नवाचारी पाठ्यक्रमों को भी शुरू करने का दिशा निर्देश दिया. विभाग द्वारा शुरू किये जाने वाले कम्युनिटी रेडियो की प्रगति के बारे में भी उन्होंने जानकारी ली. विभाग के शोधार्थियों से चर्चा करते हुए उन्होंने समाजोपयोगी शोध के लिए उत्साहवर्धन किया. विभागाध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने पुष्प गुच्छ भेंट कर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का स्वागत किया. इस अवसर पर डॉ अलीम अहमद खान, डॉ विवेक जायसवाल एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

यूटिलिटी नंबर...

पुलिस

कंट्रोल रूम	267777
एसपी	9407078999

अस्पताल

कंट्रोल रूम	236200
सिविल सर्जन	9424451503

बिजली

कंट्रोल रूम	1912
बिजली कंपनी	224141

पानी

कंट्रोल रूम	7583894210
फायर ब्रिगेड	100

हेल्पलाइन

सफाई	7583894232
स्ट्रीट लाइट	7583894209

पत्रकारिता विभाग के उन्नयन का जल्द होगा काम शुरू

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग का शुक्रवार को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मीडिया और समाज का आपस में अटूट रिश्ता होता है। मीडिया शिक्षण, प्रशिक्षण के साथ-साथ हमें समाज के बीच जाकर काम करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने विभाग के उन्नयन की रूपरेखा पर विभागाध्यक्ष और विभागीय शिक्षकों से चर्चा की।

आरटीपीसीआर, एनएमआर जैसे महत्वपूर्ण उपकरण बढ़ाएंगे डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि की साख

सागर के एसआई सेंटर से शोध को मिलेगा नया आयाम, अति सूक्ष्म वायरस की हो सकेगी पड़ताल

पत्रिका एक्सक्लूसिव

एसआइसी की लैब का काम पूरा, जल्द सभी उपकरण नेनो लैब में होंगे शिफ्ट

अभिलाष तिवारी
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय. का एसआइसी (सॉफिस्टिकेटेड इंस्ट्रमेंटेशन सेंटर) पूरे देश में साइंटिफिक रिसर्च के लिए प्रसिद्ध होगा। पथरियाजाट में एसआइसी के लिए नेनो टेक्नोलॉजी लैब का भवन बनकर तैयार हो गया है। वर्ष-2013-2014 में विवि प्रशासन ने 33 करोड़ रुपए की लागत से अलग-अलग विभागों में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए 27 वैज्ञानिक उपकरण खरीदे थे, लेकिन व्यवस्थित लैब न होने के कारण इनका लंबे समय तक उपयोग नहीं हो पाया। बाद में उपकरणों को विभागों में ही इंस्टॉल करवा दिया गया। विवि के मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने बताया कि बायोटेक्नोलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स समेत अन्य विभागों में इस लैब के तैयार हो जाने के बाद रिसर्च वर्क को बढ़ावा मिलेगा।

साख और पैसा दोनों मिलेगा- विशेषज्ञों का कहना है कि विवि के पास जो उपकरण हैं, उनके कारण विवि के प्रोफेसर्स को अब रिसर्च वर्क के लिए नए-नए प्रोजेक्ट मिलेंगे। व्यवस्थित लैब होने के कारण देश के दूसरे हिस्सों से भी यहां पर एक्सपर्ट आएंगे जिसके कारण विवि प्रशासन को रीवेन्यू के साथ वह ख्याति भी हासिल होगी जो पूर्व में हुआ करती थी।

महत्वपूर्ण उपकरणों की खासियत

- **रियल टाइम पीसीआर (आरटीपीसीआर)-** किसी भी सूक्ष्म जीव की पहचान करने में यह उपकरण बहुत महत्वपूर्ण होता है। कोरोना काल में आरटीपीसीआर का नाम हर जुबान पर रट गया था। इस टेस्ट का उपयोग किसी भी व्यक्ति के शरीर के अंदर के वायरस को पता लगाने में किया जाता है। इसके सैम्पल लेने के कई तरीके हैं। यह मशीन विवि में 8 सालों से उपलब्ध है।
- **एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोप (एएफएम) -** एएफएम को एसएफएम के नाम भी जाना जाता है जो एक अति-विभेदनशील यंत्र है। यह यंत्र नैनोमीटर के अंशों से भी सूक्ष्म स्तर तक दिखा सकता है; जो कि प्रकाशिक सूक्ष्मदर्शियों की तुलना में एक हजार गुना बेहतर है।
- **न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोमीटर (एनएमआर)-** किसी भी सैंपल का कैमिकल कम्पोजीशन बता देता है। इससे रिसर्च वर्क को बढ़ावा मिलता है। यह उपकरण कई विभागों में उपयोगी है।
- **स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसइएम)-** इस उपकरण के जरिए सैम्पलों का अध्ययन इलेक्ट्रॉन को संग्रहित करके किया जाता है।

2012-13 में शुरू हुआ था लैब का काम

2014-15 में पूर्ण करने का था लक्ष्य

25 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होनी थी लैब

35 करोड़ से खरीदे थे गए थे वैज्ञानिक उपकरण

जल्द होंगे शिफ्ट

एसआइसी को ऐसा डिजाइन कर रहे हैं ताकि विद्यार्थियों को परिसर में भटकना न पड़े और उनके कोर्स के साधन एक ही परिसर में मिल जाएं। विभागों से उपकरणों की लिस्टिंग की जा रही है और जल्द ही उनको लैब में शिफ्ट किया जाएगा।

डॉ. विवेक जायसवाल, मीडिया अधिकारी, केंद्रीय विवि सागर

ये भी हैं अन्य महत्वपूर्ण उपकरण

- वेट सरफेज एरिया एनालाइजर
- कॉन्फोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोप
- डीएनए सिक्वेंसर
- इलेक्ट्रो-कैमिकल वर्क स्टेशन
- फ्लो साइटोमीटर
- फ्यूरिअर ट्रांसफॉर्म इफ्रारेड स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (एफटीआइआर)
- गैस क्रोमैटोग्राफी मॉस स्पेक्ट्रोमीटर (जीसी-टीओएफ)
- हाई परफॉर्मेंस थिन लेयर क्रोमेटोग्रॉफी (एचपीटीएलसी)
- एचपीएलसी मॉस स्पेक्ट्रोमीटर
- इंडक्शन कपल प्लाज्मा एमएस (आइसीपी-एमएस)
- लेजर रमन स्पेकट्रोमीटर (एलआरएस)
- नैनो स्प्रे ड्रायर
- पीसीएस बेस्ड पार्टिकल साइज एनालाइजर
- पॉउडर एक्स-रे डिफ्रेक्ट्रोमीटर
- रियोमीटर
- साइमल्टेनियस थर्मल एनालाइजर (एसटीए)

एक नजर में

समाज और मीडिया का अटूट रिश्ता : कुलपति

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पत्रकारिता विभाग के निरीक्षण के दौरान कहा कि मीडिया और समाज का अटूट रिश्ता है. मीडिया शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ-साथ हमें समाज के बीच जाकर काम करना चाहिए. उन्होंने विभाग के उन्नयन की रूपरेखा पर विभागाध्यक्ष और विभागीय शिक्षकों से चर्चा कर दिशा निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विभाग के नए भवन का कार्य जल्द ही शुरू होगा और उसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी. उन्होंने कहा कि नियमित अंतराल पर पत्रकारिता विषय में विद्यार्थियों के लिए उपयोगी विशेष व्याख्यान और मीडिया विजिट्स भी आयोजित किये जाएँ जिससे उन्हें विषय के साथ-साथ मीडिया इंडस्ट्री की कार्यप्रणाली की भी समुचित जानकारी हो सके. उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी ली और समाज एवं विद्यार्थियों के लिए उपयोगी नवाचारी पाठ्यक्रमों को भी शुरू करने के दिशा निर्देश दिए. विभागाध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का स्वागत किया. इस अवसर पर डॉ अलीम अहमद खान, डॉ विवेक जायसवाल एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित थे.

प्रो अम्बिकादत्त शर्मा को मिला एकात्म पर्व सम्मान

सागर। 06 मई. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश शासन के द्वारा आचार्य शंकर के प्रकटोत्सव पर्व पर 'एकात्म पर्व' के अवसर पर देश के ख्यातिलब्ध दार्शनिक एवं प्राच्यविद डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के अधिष्ठाता प्रो अम्बिकादत्त शर्मा को आचार्य शंकर के वेदान्त दर्शन पर उनके द्वारा किये गये शोध कार्यों के लिए 'एकात्म पर्व सम्मान' से सम्मानित किया गया. यह सम्मान उन्हें भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिन्टो हाल) में आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा शाल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर किया गया. इस समारोह में केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान मुख्य अतिथि रहे एवं आर्ष विद्या मंदिर, राजकोट के मुख्य आचार्य स्वामी परमात्मानंद सरस्वती मुख्य वक्ता थे. ध्यातव्य है कि प्रो. शर्मा को आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास मध्य प्रदेश शासन के द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए शोध कार्य हेतु आचार्य शंकर फेलोशिप प्रदान की गई है. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं कुलसचिव संतोष सोहगौरा सहित ने उनको इस उपलब्धि पर बधाई दी है. उनके इस सम्मान पर विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें शुभाशंसा प्रेषित की है.

...का भी गिरफ्तार किया गया है।

विवि में केजी से पी-एचडी तक अध्ययन की सुविधा गौरव की बात: प्रो. नीलिमा गुप्ता

केन्द्रीय विद्यालय क्र.4 के विस्तारित भवन का कुलपति ने किया उद्घाटन

सागर (आरएनएन)। डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर परिसर में स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 4 के वर्तमान भवन में आगामी कक्षाओं के संचालन हेतु कक्ष निर्माण की आवश्यकता को देखते हुए वर्तमान भवन के विस्तार हेतु निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई थी जो अब बनकर विद्यार्थियों के उपयोग के लिए तैयार है। विस्तारित भवन का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा शिलापट्ट के अनावरण के साथ हुआ। इस दौरान कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा कि केन्द्रीय विद्यालय 4 के सभी कक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए अलग भवन हेतु प्रयास जारी है जिसमें अध्ययन, खेल एवं अन्य शैक्षणिक सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन की पर्याप्त सुविधाएं होंगी। उम्मीद है कि जल्द ही कक्षा 1 से लेकर 12 तक की सभी कक्षाएं एक ही भवन में संचालित हों और इसके बाद यहां पढ़कर निकलने वाले बच्चे सीधे विवि में प्रवेश लें। इस प्रकार केजी से पी.एचडी तक के अध्ययन की सुविधा एक ही परिसर में उपलब्ध होगी। यह

किसी भी विद्यार्थी के लिए और विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण बात होगी। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका शारदा प्रजापति ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विद्यालय के बच्चों ने संगीतमयी स्वागत गीत की प्रस्तुत दी। स्वागत वक्तव्य प्राचार्य डॉ बीके पाण्डेय ने दिया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका दीपा गुप्ता ने किया। आभार डॉ मनोज नेमा ने ज्ञापित किया। इस-अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा, बोर्ड अध्यक्ष नॉमिनी प्रो पीके कठल, प्रो आर के त्रिवेदी, प्रो जीएल पुणताम्बेकर, प्रो नवीन कानगो, डॉ हिमांशु, डॉ शशि सिंह डॉ पंकज तिवारी, डॉ संजय यादव, डॉ दीपक सिंघई, विद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित थे।

...एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी सहित अन्य स्कूलों में संपर्क कर चुकी है।

...जैन, अनीता श्रीवास्तव, मासूम जैन, श्वेता जैन, वर्षा गोस्वामी एवं रुचि जैन मौजूद रहे।

पं. महादेव प्रसाद पाठक जनसेवा न्यास का द्वितीय वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न

वेदों में ग्राम्य जीवन पर तत्वबोध व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित

जागरण न्यूज, केसली। पंडित महादेव प्रसाद पाठक जनसेवा न्यास का दूसरा वार्षिकोत्सव समारोह पं. महादेव पाठक महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन, सरस्वती पूजन कर किया। वैदिक मंगलाचरण डॉ. सुकदेव वाजपेयी तथा सरस्वती वंदना वैष्णवी प्रजापति, शोभना ठाकुर खुशी उपाध्याय ने की।

युद्ध संस्कृतियों को मिटाते हैं धर्म स्थापित करता है: ठाकुर

अध्यक्षीय उद्बोधन में समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर ने कहा कि बदलता हुआ विश्व, समाज जितनी प्रगति कर रहा है उतने ही अपने अतीत को छोड़ता जा रहा है। यह दुखद बात है। सही मायने में विकास वह होता है जो अपने अतीत को लेकर चलता है और वर्तमान में विकास के नए सोपानों को स्थापित करता है। अधिक भौतिक विकास विनाश का कारण भी होता है। आज दुनिया में जिन देशों ने बहुत अधिक विकास किया है वहां पर विनाश भी तैयार हो चुका है विनाश के लिए आज भी युद्ध चल रहे हैं। वस्तुतः युद्ध संस्कृतियों को मिटाते हैं और धर्म संस्कृतियों को स्थापित करता है इसलिए विकास में धर्म के मूल सिद्धांतों को रखना चाहिए।

गांव में वैदिक संस्कृति आज भी जीवन्त है: डॉ. नॉनिहल गौतम

सारस्वत प्रवक्ता सहायक प्राध्यापक संस्कृत विभाग डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने कहा कि गांव में वैदिक संस्कृति आज भी जीवन्त है। वेदों में कृषि और गो.पालन का विशेष महत्व रहा है। वैदिक ग्राम आत्म निर्भर थे। उनमें संबंधों में प्रेम और व्यवहार में उदारता थी। कार्यों में कुशलता का बड़ा महत्व था। ग्रामीणों में परस्पर की सहयोग

भावना आज भी जीवन्त है। उन्होंने कहा कि शहर की चकाचौंध विकास और भौतिक सुविधाएं ग्रामीण लोगों को अपनी ओर खींचती है आकर्षित करती हैं जबकि शहर में बसे हुए यह लोग जो भौतिक जीवन की सभी सुविधाओं का भोग करते हैं उन्हें गांव का सरल सहज जीवन आत्मा को सुख देने वाला होता है।

मानवीय जीवन स्थापित करना वेदों का प्रथम उद्देश्य है: प्रो. एसपी व्यास

सारस्वत प्रवक्ता डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति भैषज विज्ञान के महान वैज्ञानिक प्रो. एसपी व्यास ने कहा कि वेदों का मूल उद्देश्य मानवीय संबंधों को स्थापित करना है। मानव जब मानव से जुड़ता है तो समाज बनता है। वर्तमान संदर्भ में मानव अपनी मानवीय संवेदनाएं खोता जा रहा है क्योंकि वह धर्म से हटता जा रहा है। सियाराम मय सब जग जानी, करउ प्रणाम जोर जुग पानी, यह चौपाई हर जीव में ईश्वर का दर्शन कराती है इसका दूसरा अर्थ यही है कि हम मानव है हम मानवीय रहे और हर मानव के सुख-दुख में भागी रहे। वेद कहता है साथ-साथ चलो, साथ-साथ बोलो, साथ साथ खाओ साथ साथ सुखद जीवन व्यतीत करो।

वेद भारत की ज्ञान की अक्षुण्य संपदा है: डॉ. अजय तिवारी

स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अजय तिवारी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वेद हमारे भारतवर्ष की ज्ञान की संपदा के अक्षुण्य स्रोत है। उनका सम्वर्धन करना हमारा कर्तव्य है। कला साहित्य संस्कृति तथा भाषा के लिए समर्पित श्यामलम संस्था के स्वर्णिम दशक पूर्ण होने पर पंडित महादेव प्रसाद पाठक जनसेवा न्यास द्वारा स्वर्णिम दशक अभिनंदन सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष पंडित उमाकांत मिश्र हरी शुक्ला कपिल वैशाखिया एवं आशीष ज्योतिषी तथा आर के तिवारी ने सम्मान ग्रहण किया। देव श्री फॉर्मर प्रोडक्ट कंपनी और एड. अनुरुद् सिंह का सम्मान हुआ। नव नियुक्त सिविल जज स्मृति सोनी, विकास विस्तार अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मिश्र का भी सम्मान हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज श्रीवास्तव, आभार प्रदर्शन ग्राम पंचायत केवलारी कला के सरपंच प्रतिनिधि रामदास पाठक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देवेंद्र जैन मुख्य कार्य पालन अधिकारी केसली, उमेश खैहुरिया, हरिशंकर तिवारी, एडवोकेट देवेंद्र सिंह मंडल अध्यक्ष रामलखन सिह ठाकुर, नारायण सिंह चंदेल, संस्था प्राचार्य बृजेश जायसवाल, उप प्राचार्य अरुण दीक्षित डॉक्टर सत्यम सोनी, अंबिका प्रसाद सोनी, साहित्यकार पीआर मलैया, विजय तिवारी ब्यूरो चीफ द फेस ऑफ इंडिया, एड विजय पाठक, संतोष पचौरी, इंद्रजीत दुबे जुगलकिशोर उपाध्याय नरेंद्र कुमार पाठक, राहुल पाठक, माधव पाठक, बीड़ी पाठक बृजेश पाठक, गुड्डन सोनी सहित अनेक ग्रामीण लोग अवस्थित थे।

विश्वविद्यालय : स्प्रिंगर नेचर रिसोर्सेज पर ऑनलाइन यूजर ओरिएंटेशन प्रोग्राम

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में जवाहरलाल नेहरू लाइब्रेरी द्वारा स्प्रिंगर नेचर रिसोर्सेज को प्रदर्शित करने के लिए सोमवार को ऑनलाइन यूजर ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। प्रोग्राम की रिसोर्स पर्सन स्प्रिंगर नेचर ग्रुप की अल्पना सगवाल थीं। वेबिनार में स्प्रिंगरलिंक प्लेटफॉर्म के लाइव डेमो, विशेषताओं और स्प्रिंगर नेचर द्वारा अनुसंधान समुदाय के लिए मुफ्त मूल्य वर्धित सेवाओं को शामिल किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी दिए। स्वागत भाषण प्रो. उमेश कुमार पाटिल ने दिया। कुंज वर्मा और प्रतीक मित्तल ने भी प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने भी विश्वविद्यालय द्वारा अपने उपयोगकर्ताओं को दी जाने वाली रिमोट एक्सेस सुविधा के बारे में बताया।

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र परिषद के चुनाव व सदस्यता वृद्धि पर हुई चर्चा

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में छात्र परिषद की बैठक हुई। • नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की की पूर्व छात्र परिषद के फाउंडर मेंबर्स एवं पंजीकृत सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में कुलपति सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में एसोसिएशन के आगामी चुनाव, सदस्यता वृद्धि एवं निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

एसोसिएशन के फाउंडर मेम्बर्स प्रो. डीके मुखारया, प्रो. एनके जैन, प्रो. सुबोध जैन, राजेश मलैया, अरविंद राधेलिया, प्रो. केएस पित्रे एवं प्रो. इला तिवारी ने अपने विचार रखे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बैठक को संबोधित करते हुए नियमित बैठक आयोजित करने एवं एलुमनी एसोसिएशन के माध्यम से निरंतर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सुझाव दिया एवं पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में प्रो. जनक आड्डी, प्रो राजेंद्र त्रिवेदी, प्रो संजय जैन, प्रो उमेश पाटिल, प्रो नवीन कांगो, डा. राजू टंडन, अशोक वीर, संदीप जैन, कु स्वाति जैन एवं कु निधि गुप्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन एवं आभार प्रो सुबोध जैन ने व्यक्त किया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर विशेष व्याख्यान आज

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा 11 मई सुबह 10 बजे से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर भविष्य के विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उन्नति विषय पर भूविज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया है। मुख्य वक्ता सीएसआईआर एएमपीआरआई भोपाल के वैज्ञानिक डॉ मनोज कुमार गुप्ता होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता करेंगी। इस अवसर पर गणित एवं भौतिक विज्ञान स्कूल के अधिष्ठाता प्रो आशीष वर्मा एवं कार्यक्रम के संयोजक विभागध्यक्ष प्रो रणवीर कुमार ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में सहभागिता की अपील की है।

शिक्षक का सम्मान विश्वविद्यालय का सम्मान है: कुलपति

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के अधिष्ठाता प्रो अम्बिकादत्त शर्मा को आचार्य शंकर के वेदान्त दर्शन पर उनके द्वारा किये गये शोध कार्यों के लिए एकात्म पर्व सम्मान प्रदान किये जाने पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कुलपति कार्यालय में शॉल, श्रीफल एवं तुलसी का पौधा भेंटकर उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि प्रो शर्मा का सम्मान पूरे विश्वविद्यालय का सम्मान है। हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षक अपनी प्रतिभा और विद्वता से देश विदेश में ख्याति अर्जित कर रहे हैं। यह पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए हर्ष का विषय है। गौरतलब है कि प्रो शर्मा को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 06 मई को आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा शाल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया था। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास मध्य प्रदेश शासन के द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए शोध कार्य हेतु उन्हें आचार्य शंकर फेलोशिप प्रदान की गई है। इस अवसर पर प्रो पीके कठल, प्रो नवीन कानगो, प्रो यूके पाटिल, कुलसचिव संतोष सोहगौरा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय तकनीकि दिवस पर व्याख्यान और क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि के भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय तकनीकि दिवस के अवसर पर व्याख्यान एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का आधुनिक भविष्य में योगदान रहा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। कुलपति ने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में तकनीकि की भूमिका के बारे बताया कि हमारे परिवार में वाशिंग मशीन, टीवी, मोबाइल, माइक्रोवेव आदि आधुनिक तकनीक पर आधारित वस्तुएं हैं। भौतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. रणवीर कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला साथ ही उन्होंने ने बताया कि प्रौद्योगिकी हमारी प्रकृति में ही निहित हैं। प्रो. वर्मा ने महाभारत एवं रामायण काल के समय उपयोग हुए पुष्पक विमान जो कि आधुनिक एयरक्राफ्ट का ही एक प्रतिरूप है के बारे में जानकारी दी। संचालन शोधार्थी ऋतु ने एवं आभार डॉ. प्रशांत शुक्ला ने व्यक्त किया।

शिक्षक का सम्मान विश्वविद्यालय का सम्मान है: कुलपति

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के अधिष्ठाता प्रो अम्बिकादत्त शर्मा को आचार्य शंकर के वेदान्त दर्शन पर उनके द्वारा किये गये शोध

कार्यों के लिए 'एकात्म पर्व सम्मान' प्रदान किये जाने पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कुलपति कार्यालय में शाल, श्रीफल एवं तुलसी का पौधा भेंटकर उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि प्रो शर्मा का सम्मान पूरे विश्वविद्यालय का सम्मान है. हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षक अपनी प्रतिभा और विद्वता से देश-विदेश में ख्याति अर्जित कर रहे हैं. यह पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए हर्ष का विषय है. गौरतलब है कि प्रो. शर्मा को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिन्टो हाल) में दिनांक 06 मई को आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा शाल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया था। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास मध्य प्रदेश शासन के द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए शोध कार्य हेतु उन्हें आचार्य शंकर फेलोशिप प्रदान की गई है. इस अवसर पर प्रो. पी. के. कठल, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. यू. के. पाटिल, कुलसचिव संतोष सोहगौरा उपस्थित रहे।

विवि एलुमनी एसोसिएशन की बैठक संपन्न

जागरण, सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की एलुमनी एसोसिएशन के फाउंडर मेंबर्स एवं पंजीकृत सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में कुलपति सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में एसोसिएशन के आगामी चुनाव, सदस्यता वृद्धि एवं निकट भविष्य में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। एसोसिएशन के फाउंडर मेम्बर्स प्रो.डीके मुखारया, प्रो एन के जैन, प्रो सुबोध जैन, राजेश मलैया, अरविंद राधेलिया प्रो केएस पित्रे एवं प्रो.इला तिवारी ने अपने विचार रखे। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने बैठक को संबोधित करते हुए नियमित बैठक आयोजित करने एवं एलुमनी एसोसिएशन के माध्यम से निरंतर कार्यक्रम आयोजित करने हेतु सुझाव दिया एवं पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में प्रो जनक आही, प्रो राजेंद्र त्रिवेदी, प्रो संजय जैन, प्रो उमेश पाटिल, प्रो नवीन कांगो, डॉ राजू टंडन, अशोक वीर, संदीप जैन, कु स्वाति जैन एवं कु निधि गुप्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन एवं आभार प्रो सुबोध जैन ने व्यक्त किया।

प्रौद्योगिकी और तकनीक हमारी प्रकृति में निहित है: कुलपति प्रो. नीलिमा

जागरण, सागर

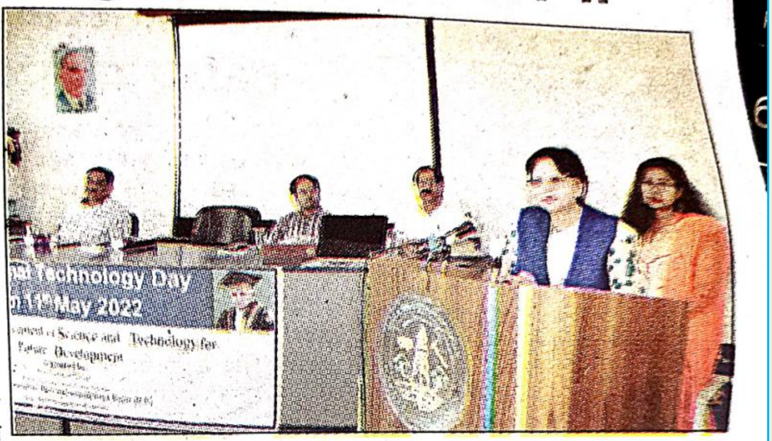

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी दिवस के अवसर पर व्याख्यान एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएसआईआरएपीआरआई भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मनोज कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता द्वारा की गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने भौतिक शास्त्र विभाग के सभी आयोजनकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में तकनीकी की भूमिका के बारे बताया कि हमारे परिवार में वाशिंग मशीन टी वी, मोबाइल,माक्रोवेव आदि आधुनिक तकनीक पर आधारित वस्तुएं हैं। इसके पश्चात भौतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो रणवीर कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी हमारी प्रकृति में ही निहित हैं। उन्होंने डॉल्फिन मछली जो कि अल्ट्रासोनिक तरंगों का उपयोग करती है। प्रो आशीष वर्मा ने बताया की प्राचीन काल में ही तकनीकि भारतीय सभ्यता का हिस्सा रही है। शोध छात्र प्रवीण कुमार ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए बताया कि वह लगभग दस वर्षो से मटेरियल साइंस के क्षेत्र में अपना शोध कार्य कर रहे हैं। डॉ गुप्ता सी एस आई आर द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड से भी सम्मानित किए जा चुके हैं। इसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ मनोज कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा की प्राचीन एवं वर्तमान तकनीकी में भारत की स्थिति के बारे में विस्तृत चर्चा की। तकनीकी पर जोर देते हुए डॉ गुप्ता ने कहा कि तकनीकी छोटी छोटी चीजों में छिपी है। हमारे शोध छात्र एवं विद्यार्थियों को रचनात्मक खोज करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी ऋतु द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय तकनीकी दिवस पर व्याख्यान एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजन

जीवन में तकनीक की भूमिका बहुत अधिक

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय तकनीकि दिवस के अवसर पर बुधवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का आधुनिक भविष्य में योगदान विषय पर व्याख्यान एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. मनोज कुमार गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा की गई। कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में तकनीकि की भूमिका बहुत अधिक है। हमारे परिवार में वाशिंग मशीन, टीवी, मोबाइल, माइक्रोवेव आदि आधुनिक तकनीक पर आधारित वस्तुएं हैं। भौतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो रणवीर कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने ने बताया कि प्रौद्योगिकी हमारी प्रकृति में ही निहित हैं। उन्होंने कहा कि डाल्फिन मछली जो कि अल्ट्रासोनिक तरंगों का उपयोग करती है। इसके बाद डीन एसएमपीएस प्रो. आशीष वर्मा ने बताया की प्राचीन काल में ही तकनीकि भारतीय सभ्यता का हिस्सा रही है। प्रो. वर्मा ने महाभारत एवं रामायण काल के समय उपयोग हुए पुष्पक विमान जो कि आधुनिक एयरक्राप्ट का ही एक प्रतिरूप है के बारे में जानकारी दी। शोध छात्र प्रवीण कुमार ने मुख्य अतिथि का परिचय

कार्यक्रम को संबोधित करते हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। • नवदुनिया

- राष्ट्रीय तकनीकि दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन हुआ
- क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने की प्रतिभागिता

देते हुए बताया कि डा. गुप्ता की पीएचडी दिल्ली विश्वविद्यालय एवं पोस्ट डाक्टरल शोध दक्षिण कोरिया से हुआ है। डॉ गुप्ता सीएसआईआर द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड से भी सम्मानित किए जा चुके हैं।

ध्वनि ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है: मुख्य अतिथि डा. मनोज कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राचीन एवं वर्तमान तकनीकि में भारत की स्थिति के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में ऋषि मुनियों ने बताया कि सुबह का सूरज सात घोड़ों पर सवार होकर आता है। प्रकाश के सात रंगों का तुलनात्मक अध्ययन की जानकारी दी। यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित की विभिन्न तकनीकों पर बात की। आधुनिक अनुसंधान के द्वारा अवशिष्ट पदार्थों का उपयोग दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुएं बनाने में किया जा सकता है। उन्होंने पी जो इलेक्ट्रिक मटेरियल के द्वारा ध्वनि ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। हमारे बात करने से भी हमारा मोबाइल चार्ज किया जा सकेगा। तकनीकि पर जोर देते हुए डा. गुप्ता ने कहा कि तकनीकि छोटी छोटी चीजों में छिपी है, हमारे शोध छात्र एवं विद्यार्थियों को रचनात्मक खोज करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी ऋतु द्वारा किया गया। आभार डॉ प्रशांत शुक्ला द्वारा ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर विभाग के समस्त शिक्षकगण एवं शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेंट्रल विवि में इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी संस्थान खुलेगा

नवभारत न्यूज

सागर 15 मई. डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट स्थापित किया जाएगा.

इसकी स्थापना एवं पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्कूल ऑफ मैथमेटिकल एंड फिजिकल साइंसेज के अधिष्ठाता एवं भौतिक विज्ञान के प्रो. आशीष वर्मा को प्रभारी निदेशक नियुक्त किया है. इस संबध में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कार्यालायादेश जारी किया है.

प्रो. वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की शुरुआत होगी, इसी के साथ ही स्किल आधारित कई अन्य पाठ्यक्रम भी शुरु किये जायेंगे जिसका सीधा लाभ बुंदेलखंड अंचल के छात्र-छात्राओं को मिलेगा.

विवि में स्थापित होगा इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट

जागरण, सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट स्थापित किया जाएगा। इसकी स्थापना एवं पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्कूल ऑफ मैथमेटिकल एंड फिजिकल साइंसेज के अधिष्ठाता एवं भौतिक विज्ञान के प्रो. आशीष वर्मा को प्रभारी निदेशक नियुक्त किया है। प्रो. वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की शुरुआत होगी। इसी के साथ ही स्किल आधारित कई अन्य पाट्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे जिसका सीधा लाभ बुंदेलखंड अंचल के छात्र-छात्राओं को मिलेगा। प्रो. वर्मा की इस नियुक्ति पर विभागाध्यक्ष प्रो. रणवीर कुमार, डॉ. रेखा गर्ग सोलंकी सहित सभी विभागीय शिक्षकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय में इस इंस्टीट्यूट की स्थापना से भौतिकी एवं इंजीनियरिंग की अन्य शाखाओं में नवाचारी शोध करने के अवसर प्राप्त होंगे जो सभी के लिए लाभकारी होगा।

प्रो. आशीष वर्मा प्रभारी निदेशक नियुक्त किए गए

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

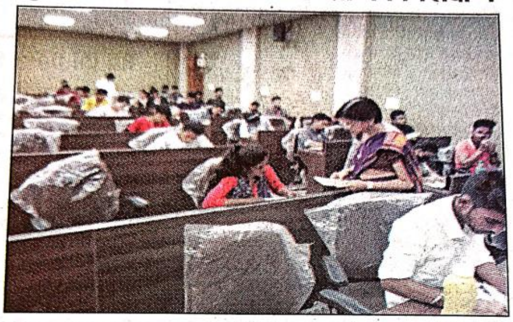

जागरण, सागर। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में 2 मई से एंड सेमेस्टर परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं। प्रथम चरण की परीक्षाएं दिनांक 17 मई को सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद परीक्षाओं का द्वितीय चरण 18 मई से जारी है जो 4 जून तक चलेगा। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने परिसर के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों कणाद भवन, केमिस्ट्री ब्लाक, सामाजिक विज्ञान ब्लॉक एवं कॉमर्स ब्लॉक पहुंचकर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्य समन्वयक परीक्षा प्रो. विजय वर्मा एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसपी गादेवार उपस्थित रहे। 26 मई से कॉमर्स ब्लॉक की परीक्षाएं सामाजिक विज्ञान ब्लॉक में आयोजित होंगी। अकादमिक कैलेंडर के अनुरूप आगामी सेमेस्टर की कक्षाओं के सुचारू संचालन एवं छात्र संख्या को दृष्टिगत रखते हुए घोषित परीक्षा केंद्र कॉमर्स ब्लॉक की सभी परीक्षाएं 26 मई से सामाजिक विज्ञान ब्लॉक में आयोजित की जायेंगी। पूर्व घोषित परीक्षा केंद्र महर्षि कणाद भवन, केमिस्ट्री ब्लॉक एवं सामाजिक विज्ञान ब्लॉक की परीक्षाएं पूर्ववत आयोजित की जायेंगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसपी गादेवार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है।

2 मई से शुरू परीक्षाएं 4 जून तक की जाएंगी संचालित

धर्म . समाज . संस्था

दैनिक भास्कर सागर, बुधवार, 18 मई, 2022

भास्कर एक्सक्लूसिव सागर विवि के कम्युनिटी कॉलेज से अब तक निकले 712 विद्यार्थी, 19 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए जुलाई में जारी होगा विज्ञापन

7 साल पहले सिर्फ एक कोर्स से शुरू हुआ था कम्युनिटी कॉलेज, अब चल रहे 19 पाठ्यक्रम, डिप्लोमा के बाद 70 फीसदी विद्यार्थियों ने शुरू किया खुद का व्यापार

श्रीकांत त्रिपाठी | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में कम्युनिटी कॉलेज शुरू हुए 7 साल पूरे हो चुके हैं। आज यहां 19 पाठ्यक्रमों में 250 से अधिक विद्यार्थी हैं। 2015 में यह कॉलेज सिर्फ एक कोर्स मशरूम प्रोसेसिंग एंड कल्टीवेशन के साथ शुरू हुआ। इसके बाद 2018 में फैशन, रिटेल, टूरिज्म जैसे तीन नए कोर्स और 2019 में 15 नए पाठ्यक्रम शुरू हुए। अब तक यहां से 712 विद्यार्थी निकल चुके हैं। कम्युनिटी कॉलेज की खास बात यह कि यहां से डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद 70 फीसदी विद्यार्थियों ने खुद का व्यापार शुरू किया है। जिसमें मशरूम, फूड प्रोसेसिंग, डिजाइनर कपड़े और कंपोस्ट खाद जैसे काम शामिल हैं। जिनकी बिक्री न केवल लोकल मार्केट बल्कि ऑनलाइन मार्केट के जरिए विदेशों तक हो रही है।

12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर मिलता है एडमिशन

कम्युनिटी कॉलेज की नोडल अधिकारी प्रो. श्वेता यादव ने बताया कि कम्युनिटी कॉलेज में प्रवेश के लिए इस बार जुलाई माह में विज्ञापन जारी होगा। जिसमें सभी 19 पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स एक वर्ष और सर्टिफिकेट कोर्स छह माह का होता है। इसमें चयनित विद्यार्थियों की मेरिट 12वीं के अंकों के आधार पर ही बनती है।

ये हैं 19 पाठ्यक्रम

- **डिप्लोमा कोर्स-** रिटेल मैनेजमेंट, फैशन टेक्नोलॉजी, टूरिज्म मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग, वाटर प्यूरीफिकेशन, हिस्टोरिकल टूरिज्म, सोशल वर्क, मशरूम कल्टीवेशन, प्रोफेशनल ऑफिस एग्जीक्यूटिव, काउंसिलिंग, बायो पेस्टीसाइड प्रोडक्शन, पेपर एंड प्लास्टिक रिसाइक्लिंग, बायो इंफरमेटिक्स, साइकोलॉजी एंड हेल्थ।
- **सर्टिफिकेट कोर्स-** इंटर्नशिप डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट, प्रोफेशनल कम्युनिकेशन, वीट प्रोसेसिंग, कंपोस्टिंग, ऑर्गेनिक फार्मिंग।

सफलता की कहानी : किसी विद्यार्थी ने मशरूम तो किसी ने शुरू किया फूड प्रोसेसिंग का व्यापार

40 लाख का टर्नओवर, विदेश जा रहा मुनगा पाउडर

केसली निवासी सुंदर रजक ने सागर विवि से वर्ष 2021 में फूड प्रोसेसिंग का कोर्स किया था। जहां उन्हें उत्पाद बनाने के साथ ब्रांड तैयार करने का भी प्रशिक्षण मिला। इसके बाद सुंदर ने मुनगा पाउडर और मसाले का काम शुरू किया। एक साल के भीतर खादी ग्राम उद्योग, केंद्रीय जेल और एमपी स्टेट एग्रो से अनुबंध हुआ और उज्जैन की एक प्राइवेट कंपनी के जरिए उनका उत्पाद अब विदेश तक जा रहा है। सुंदर की कंपनी का टर्न ओवर एक साल के भीतर 40 लाख रुपए पहुंच गया।

पढ़ाई के साथ ही शुरू किया खुद का व्यापार

मछरयाई निवासी लक्ष्मी परेता कम्युनिटी कॉलेज में फैशन डिजाइनिंग की स्टूडेंट हैं। उन्हें विश्वविद्यालय में आयोजित कौशल विकास मेले में स्टॉल लगाने का मौका मिला था, जहां उन्होंने खुद से बनाई भगवान की पोशाक, ईयर रिंग, डिजाइनर मोजे, चूड़ियां और स्वेटर बेचे। पहली बार में ही चार हजार रुपए की कमाई हुई। फिर क्या था लक्ष्मी ने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई करते हुए ही अपना व्यापार शुरू किया और आज ऑनलाइन मार्केट से अपने उत्पाद बेच रही हैं।

घर में उगाते थे मशरूम, अब हरियाणा जा रहा अचार

विजय टॉकीज निवासी कैलाश पटेल ने वर्ष 2017 में मशरूम प्रोसेसिंग एंड कल्टीवेशन का डिप्लोमा किया था। इसके बाद उन्होंने घर के एक कमरे में मशरूम उगाना शुरू किया। पहले मार्केट में कुछ खास रिस्पांस नहीं मिला, लेकिन जब उन्होंने मशरूम का अचार, बड़ी और अन्य चीजें तैयार की तो भोपाल, इंदौर के अलावा हरियाणा से भी डिमांड आने लगी। अब कैलाश करीब 4 हजार वर्गफीट में मशरूम उगा रहे हैं और ऑनलाइन मार्केट से भी ऑर्डर लेते हैं।

जूट के सामान की ऑनलाइन मार्केटिंग

शनिचरी निवासी रूबीना खान ने वर्ष 2019 में सागर विवि से फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किया था। जहां उन्होंने सिलाई-कढ़ाई के साथ डिजाइनर कपड़े और जूट का सामान बनाने का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद रूबीना ने घर बैठे ही डिजाइनर कपड़े, जूट का सामान, बैग, साड़ियों पर आरी वर्क का काम शुरू किया। पहले तो रिश्तेदारों की मदद से इन्हें बेचा और अब सिर्फ ऑनलाइन मार्केट से ही व्यापार कर रही हैं।

विश्वविद्यालय में डॉ.अम्बेडकर उत्कृष्ट केन्द्र के संचालन हेतु समिति गठित

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में संचालित डॉ अम्बेडकर उत्कृष्ट केंद्र के सुचारू रूप से संचालन हेतु कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने एक समन्वय समिति का गठन किया गया है. इस समिति की समन्वयक प्रो चंदा बैन, विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग को बनाया गया है। उपसमन्वयक प्रो राजेश कुमार गौतम विभागाध्यक्ष मानव शास्त्र विभाग हैं। विधि विभाग की डॉ अनुपमा पंडित सक्सेना, व्यवहारिक भूगोल विज्ञान विभाग के डॉ सतीश सी एवं उप कुलसचिव सतीश कुमार इसके सदस्य हैं. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने इस संबंध में कार्यालयादेश जारी किया है।

इस केंद्र के अंतर्गत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों हेतु यूपीएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निः शुल्क कोचिंग का संचालन किया जाएगा। गौरतलब है कि देश के 30 चयनित संस्थाओं में एक केंद्र डॉ हरीसिंह गौर विवि में स्थापित होगा।

एआईसीटीई के समक्ष आज होगा प्रजेंटशन, मंजूरी मिली तो इसी सत्र से होंगे दाखिले

कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन में शुरू होगी इंजीनियरिंग की पढ़ाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि ने तकनीकी शिक्षा के लिए आगे कदम बढ़ रहा है। इसके तहत विवि ने फिलहाल दो इंजीनियरिंग कोर्स शुरू करने के लिए पहल कर दी है। ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टैक्नीकल एज्युकेशन (एआईसीटीई) को इन दो कोर्स शुरू करने के लिए प्रपोजल भेजा गया है। इस संबंध में गुरुवार को ऑन लाइन प्रजेंटेशन भी है। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही विवि में यह दो कोर्स शुरू हो जाएंगे।

इस इंस्टीट्यूट के लिए निदेशक बनाए गए प्रो. आशीष वर्मा ने बताया कि इंजीनियरिंग के दो कोर्स शुरू करने के लिए प्रपोजल बनाकर भेजा गया है। इनमें कम्प्यूटर साइंस और इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन कोर्स शामिल हैं।

मिल सकती है 60-60 सीटें

एआईसीटीई यदि मंजूरी देता है तो उसी के नोम्स के आधार पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा। साथ ही 60-60 सीटें भी पहले साल मिलेगी। उन्होंने बताया कि मंजूरी मिलने के बाद दाखिले शुरु कर सकते हैं। पढ़ाई के लिए नैनोटैक्नोलॉजी बिल्डिंग में कक्षाएं शुरू कर सकते हैं। उसके बाद धीरे-धीरे इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कराया जाएगा।

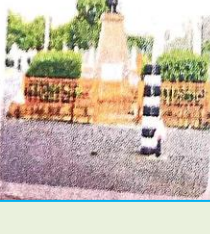

गरीब विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर

केंद्रीय विवि में यह पहला मौका है जब इंजीनियरिंग कोर्स शुरू करने की पहल की जा रही है। इससे सबसे ज्यादा फायदा गरीब विद्यार्थियों को होगा, जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रुचि रखते हैं। फीस कम भी

28 विद्यार्थी चयनित

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विवि के फार्मेसी विभाग के 28 विद्यार्थियों ने एमफार्म पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा जी.पीएटी में सफलता हासिल की है. विद्यार्थियों में अभिषेक सक्सेना, अनुराधा पटेल, सौरभ चक्रवर्ती, सोनाली दास गुप्ता, अर्चित जैन, श्रद्धा सोनी, प्रियंका सेन, ऋषिता जैन, निमीश गुप्ता, प्राची चौरसिया, नीतू सोनी, यश शर्मा, मानसी रोहित, कुमारी कौशकी, पियूष श्रीवास्तव, आयुष श्रीवास्तव, चिराग चौरसिया, वैभव नामदेव, ऋतु, नीलम, निश्चय, वैदेही, रेंसिका, राखी, अंजली, अरविंद, हर्षिता संजय हैं.

डॉ. हरिसिंह गौर विवि ने किया अपडेट

अब मोबाइल में पूरे फीचर के साथ खुलेगी वेबसाइट

मोबाइल फ्रेंडली न होने की कमी में किया सुधार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह विवि केंद्रीय विवि की बेवसाइट मोबाइल पर पूरी तरह से नहीं खुलती थी। मोबाइल को रोटेड मोड पर रखना पड़ता था। इस बेवसाइट में काफी विसंगतियां भी थीं। हालांकि विवि प्रशासन ने अब इन कमियों में सुधार कर लिया है। विवि के आइटी सेल ने इस बेवसाइट को पूरी तरह से अपडेट कर मोबाइल फ्रेंडली बना दिया है। अब विवि की वेबसाइट को मोबाइल पर आसानी से खोलकर देखा जा सकता है। मोबाइल पर पूरे फीचर एक साथ खुलेंगे। स्पेस भी ज्यादा दिया गया है। मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने बताया कि इसमें नए सेंटर का पूरा ब्यौरा है। नई गतिविधियां और नए केंद्रों की जानकारी दी गई है। पुरानी चीजें भी संरक्षित रहेंगी।

डॉ. जायसवाल ने बताया कि इस अपडेटिड बेवसाइट पर स्टूडेंट कार्नर भी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि विभागों की प्रोफाइल अपडेट की जा रही हैं, जिसका काम जल्द पूरा हो जाएगा। बता दें कि विवि प्रशासन ने बेवसाइट को अपडेट करने संबंधित नोटिफिकेशन अप्रैल में जारी किया था।

विश्व संग्रहालय दिवस

संग्रहित पुरावशेषों से हमें प्राचीन मानव सभ्यता के बारे में पता चलता है: डॉ. सिंह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के पुरातत्व संग्रहालय में विश्व संग्रहालय दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर कार्यवाहक विभागाध्यक्ष डॉ. आरपी सिंह ने कहा कि संग्रहालयों में संग्रहित पुरावशेषों से हमें प्राचीन मानव सभ्यता के बारे में पता चलता है। संग्रहालयों में संरक्षित पुरानिधियाँ हमारे पूर्वजों की जीवन शैली, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पक्षों को प्रदर्शित करती हैं। संग्रहालयों के अलावा कला, संगीत, अस्त्र शस्त्र, वस्त्र व जनजातीय संस्कृति से संबंधित संग्रहालयों से भी अतीत व वर्तमान जनजीवन की प्रासंगिकता सिद्ध होती है। इसलिए हमें संग्रहालयों की ओर लौटना होगा एवं व्यक्तिगत, संस्थागत एवं राजकीय स्तर पर सहयोग प्रदान कराना होगा।

विभाग के शिक्षकों एवं शोध छात्रों द्वारा विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ. मशकूर अहमद कादरी, डॉ. शिवकुमार परोचे, शोध छात्र-छात्राओं आदि उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में आंतरिक शिकायत समिति का हुआ गठन

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में राजपत्र अधिसूचना के अनुरूप कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न के संबंध में आंतरिक शिकायत समिति 'आईसीसी' का गठन किया गया है। इस समिति में पीठासीन अधिकारी प्रो. अस्मिता गजभिये एवं विधि विभाग की सहायक प्राध्यापक अनुपमा पंडित सक्सेना, मानव विज्ञान विभाग के डॉ.सर्वेंद्र यादव, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. वंदना गुप्ता, विवि चिकित्साधिकारी डॉ.किरण माहेश्वरी, विधि अधिकारी बृजभूषण सिंह के साथ ही शोधार्थी दिनेश तोमरए छात्रा आयुषी तोमर एवं सिद्धि जैन सदस्य हैं। उक्त समिति अधिनियम में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अपने कर्तव्यों और कार्यों का निर्वहन करेगी। यह समिति तीन वर्ष के लिए गठित की गई है। कुलसचिव संतोष सहगौरा ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है।

दैनिक भास्कर सागर 25-05-2022

भास्कर एक्सक्लूसिव फॉस्फोडाइएस्टरेज 5 अवरोधक तडालाफिल और सिल्डेनाफिल द्वारा लिवर कैंसर की रोकथाम की यह दुनिया में पहली रिपोर्ट

पुरुषों में गुप्त रोग के इलाज में इस्तेमाल होने वाला सिल्डेनाफिल लिवर कैंसर की ग्रोथ को रोकने में सक्षम, सागर विवि में चूहे पर हुआ सफल प्री-क्लीनिकल ट्रायल

श्रीकांत त्रिपाठी | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग में लिवर कैंसर की रोकथाम को लेकर एक बड़ा शोध हुआ है। रिसर्च में सामने आया है कि पुरुषों में गुप्त रोग के इलाज में इस्तेमाल होने वाला केमिकल सिल्डेनाफिल लिवर कैंसर की ग्रोथ का रोकने में सक्षम है। विभाग एवं शोधार्थी का दावा है कि फॉस्फोडाइएस्टरेज 5 अवरोधक तडालाफिल और सिल्डेनाफिल द्वारा लिवर कैंसर की रोकथाम की यह दुनिया में पहली रिपोर्ट है, इस शोध को जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी में भी प्रकाशित किया जा चुका है। जूलॉजी विभाग के शोधार्थी इस विषय पर वर्ष 2013 से रिसर्च कर रहे थे। 9 साल तक चली इस रिसर्च में चूहे पर प्री-क्लीनिक ट्रायल सफल होने के बाद यह रिपोर्ट सामने आई है।

फफूंद लगा भोजन करने से लिवर कैंसर होने की ज्यादा संभावना

रिसर्च गाइड और जूलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजकुमार कोइरी ने बताया कि लिवर कैंसर (हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा) दुनिया भर में कैंसर से संबंधित मौत का तीसरा प्रमुख कारण है। यह पुरुषों में पांचवां और महिलाओं में सातवां सबसे अधिक बार होने वाला कैंसर है। दुनियाभर में रिपोर्ट किए गए चार प्रमुख कैंसर में हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में 7 लाख से अधिक नए मामलों की पुष्टि हुई है। वहीं विश्व में सालाना 6 लाख से अधिक मौतें इसी बीमारी से होती हैं। लिवर कैंसर का कारण लंबे समय तक शराब का सेवन और हेपेटाइटिस वायरस है।

लेकिन इसका एक और बड़ा कारण फफूंद लगा खाना भी है। हम आमतौर पर रात का बचा खाना सुबह खाते हैं या लंबे समय तक गोदामों में रखे अनाज का इस्तेमाल करते हैं। जिसमें फफूंद लगने की संभावना होती है। यदि व्यक्ति लिवर सिरोसिस का शिकार है तो यह फफूंद (अफ्लाटॉक्सिन बी-1) लिवर कैंसर का कारण बन सकती है, लेकिन लिवर कैंसर में एंटी-कैंसर दवाएं ज्यादा प्रभावी नहीं होती। यही कारण जानने के लिए डॉ. राजकुमार कोईरी के नेतृत्व में डॉ. सौरभ कुमार छोंडकर, डॉ. दिव्या रावत, निधि गुप्ता और विनोदिनी दुबे ने शोध कार्य किया।

अब आगे क्या... कैंसर के अन्य प्रकारों पर भी होगा दवा का शोध

सागर विवि के जूलॉजी विभाग में शोध कार्य करते विद्यार्थी।

डॉ. राजकुमार कोइरी ने बताया कि सिल्डेनाफिल और तडालाफिल का इस्तेमाल अभी सिर्फ लिवर कैंसर पर किया गया। अब इसमें एंटी-कैंसर ड्रग के प्रभाव और मैकेनिज्म पर कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही कैंसर के अन्य प्रकारों पर भी फॉस्फोडाइएस्टरेज 5 अवरोध का इस्तेमाल किया जाएगा। सिल्डेनोफिल कोई नया ड्रग नहीं है। हमने सिर्फ एक प्राइमरी इंफोर्मेशन जनरेट की है। अब इसके आधार पर मेडिकल कम्युनिटी फेस-1 ट्राइल शुरू कर सकती हैं।

सिल्डेनाफिल के इस्तेमाल से सेल में ठहरने लगी एंटी-कैंसर दवाएं

शोध के दौरान चूहे को पहले चार दिन तक अफ्लाटॉक्सिन बी-1 (फफूंद) देकर लिवर कैंसर उत्पन्न किया गया। इसके बाद देखा गया कि कैंसर कोशिकाओं में हाइपॉक्सिया की स्थिति निर्मित होती है और ट्यूमर कोशिकाएं मल्टीड्रग प्रतिरोधी (एमडीआर) को व्यक्त करती हैं, जो एंटी-कैंसर दवाओं को कोशिकाओं में रूकने नहीं देता। एफ्लक्स पंप से दवाओं को बाहर निकाल देता है। इससे कैंसर की दवाएं सफलता पूर्वक काम नहीं कर पाती। इस दौरान सामने आया कि यदि ऑक्सीजन ट्यूमर के बीच तक पहुंचे तो एमडीआर को कम किया जा सकता है। ऐसे में धमनियों को चौड़ा करने करने के लिए पुरुषों के गुप्त रोग के इलाज में काम आने वाला केमिकल सिल्डेनाफिल का इस्तेमाल किया गया। इससे ट्यूमर में जहां हाइपॉक्सिया की स्थिति बनी है, वहां ब्लड में मौजूद ऑक्सीजन पहुंचाकर एमडीआर को कम किया गया। इससे एंटी-कैंसर दवाओं ने ट्यूमर कोशिकाओं में ठहरकर अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया हैं। इस शोध को यूजीसी और साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड ने अनुदान दिया।

डॉ हरीसिंह गौर विवि एवं जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के बीच अकादमिक समझौता

शुरू होंगे रोजगारपरक पाठ्यक्रम

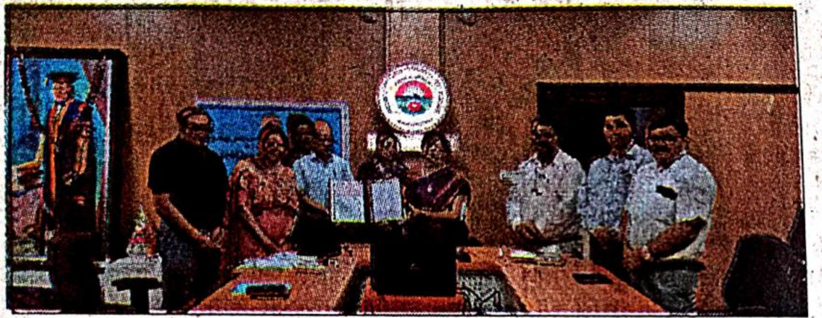

सागर (आरएनएन)। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता के बीच बुधवार को महत्त्वपूर्ण अकादमिक समझौता हुआ। जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता की ओर से निदेशक डॉ धृति बनर्जी एवं विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने इस अकादमिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान डॉ बनर्जी ने कहा कि इस एमओयू से इस क्षेत्र की जैव विविधता के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी जिसमें कोलकाता स्थित हेड क्वार्टर एवं इसके सभी 16 केंद्र सहयोग करेंगे। दोनों संस्थाओं के साझा सहयोग से सेमिनार एवं वर्कशॉप आयोजित की जा सकेंगी ताकि प्राणियों की पहचान के लिए विद्यार्थी तकनीकी जानकारी एकत्रित कर सकें। यह क्षेत्र की जैव विविधता संरक्षण में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने स्वयं जैव विविधता के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय शोध कार्य किये हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। इसलिए यह अकादमिक समझौता काफी महत्त्वपूर्ण और लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस एमओयू से प्राणी विज्ञान के विद्यार्थियों को कोलकाता की प्रयोगशाला में कार्य करने का अवसर मिलेगा साथ ही प्रशिक्षित विद्यार्थियों को क्षेत्र की जैव विविधता के संरक्षण के कार्य में संलग्न करेंगे एवं संबंधित रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे। इस दौरान गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्रख्यात पर्यावरण विज्ञानी प्रो बीडी जोशी ने टैक्सोनॉमी के इतिहास एवं इसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राणी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो सुबोध जैन ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो श्वेता यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो जनक अही, प्रो हरेल थॉमस, प्रो संजय जैन, प्रो नवीन कांगो, प्रो यूके पाटिल, कुलसचिव संतोष सहगौरा, डॉ दिव्या रावत, स्वाति जैन, जावेद अहमद उपस्थित रहे।

डॉ. हरीसिंह गौर विवि और जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के बीच हुआ अकादमिक समझौता

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता के बीच महत्त्वपूर्ण अकादमिक समझौता हुआ। जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता की ओर से निदेशक डॉ.बनर्जी एवं विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने इस अकादमिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ.बनर्जी ने कहा इस एम.ओ.यू से इस क्षेत्र की जैव विविधता के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी जिसमें कोलकाता स्थित हेड क्वार्टर एवं इसके सभी 16 केंद्र सहयोग करेंगे। दोनों संस्थाओं के साझा सहयोग से सेमिनार एवं वर्कशॉप आयोजित की जा सकेंगी, ताकि प्राणियों की पहचान के लिए विद्यार्थी तकनीकी जानकारी एकत्रित कर सकें। यह क्षेत्र की जैव विविधता संरक्षण में सहायक होगा। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वयं जैव विविधता के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय शोध कार्य किये हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है इसलिए यह अकादमिक समझौता काफी महत्त्वपूर्ण और लाभकारी सिद्ध होगा। इस एम.ओ.यू से प्राणी विज्ञान के विद्यार्थियों को कोलकाता की प्रयोगशाला में कार्य करने का अवसर मिलेगा, साथ ही प्रशिक्षित विद्यार्थियों को क्षेत्र की जैव विविधता के संरक्षण के कार्य में संलग्न करेंगे, एवं संबंधित रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे। इस दौरान गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रख्यात पर्यावरण विज्ञानी प्रो.बी.डी.जोशी ने टैक्सोनॉमी के इतिहास एवं इसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राणी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.सुबोध जैन ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो.श्वेता यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो जनक अही, प्रो.हरेल थॉमस, प्रो.संजय जैन, प्रो.नवीन कांगो, प्रो.यू.के.पाटिल, कुलसचिव संतोष सहगौरा उपस्थित रहे।

प्राणिशास्त्र के अध्ययन के नये द्वार खुलेंगे: गुप्ता

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के बीच हुआ अकादमिक समझौता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता के बीच बुधवार को महत्वपूर्ण अकादमिक समझौता हुआ। जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता की ओर से निदेशक डॉ धृति बनर्जी एवं विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने इस अकादमिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ बनर्जी ने कहा कि इस एम ओ यू से इस क्षेत्र की जैव विविधता के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी जिसमें कोलकाता स्थित हेड क्वार्टर एवं इसके सभी 16 केंद्र सहयोग करेंगे। दोनों संस्थाओं के साझा सहयोग से सेमिनार एवं वर्कशॉप आयोजित की जा सकेंगी, ताकि प्राणियों की पहचान के लिए विद्यार्थी तकनीकी जानकारी एकत्रित कर सकें।

यह क्षेत्र की जैव विविधता संरक्षण में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने स्वयं जैव विविधता के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय शोध कार्य किये हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है इसलिए यह अकादमिक समझौता काफी महत्त्वपूर्ण और लाभकारी सिद्ध होगा. उन्होंने कहा कि इस एम ओ यू से प्राणी विज्ञान के विद्यार्थियों को कोलकाता की प्रयोगशाला में कार्य करने का अवसर मिलेगा, साथ ही प्रशिक्षित विद्यार्थियों को क्षेत्र की जैव विविधता के संरक्षण के कार्य में संलग्न करेंगे, एवं संबंधित रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे । इस दौरान गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रख्यात पर्यावरण विज्ञानी प्रो बी डी जोशी ने टैक्सोनॉमी के इतिहास एवं इसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राणी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो सुबोध जैन ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो श्वेता यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो जनक अही, प्रो हरेल थॉमस, प्रो संजय जैन, प्रो नवीन कांगो, प्रो यू के पाटिल, कुलसचिव संतोष सहगौरा, डॉ दिव्या रावत, स्वाति जैन, जावेद अहमद उपस्थित रहे एवं काफी संख्या में शोध छात्र एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी भी ऑनलाइन सम्मिलित हुए।

जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के साथ हुआ अकादमिक समझौता

सागर में जीवों पर होंगे अध्ययन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय और जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता के बीच बुधवार को महत्त्वपूर्ण अकादमिक समझौता हुआ। जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता की ओर से निदेशक डॉ धृति बनर्जी व विश्वविद्यालय कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने इस अकादमिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर डॉ. बनर्जी ने कहा कि इस एमओयू से इस क्षेत्र की जैव विविधता के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसमें कोलकाता स्थित हेड क्वार्टर और इसके सभी 16 केंद्र सहयोग करेंगे। दोनों संस्थाओं के साझा सहयोग से सेमिनार एवं वर्कशॉप आयोजित की जा सकेंगी, ताकि प्राणियों की पहचान के लिए विद्यार्थी तकनीकी जानकारी एकत्रित कर सकें। यह क्षेत्र की जैव विविधता संरक्षण में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वयं जैव विविधता के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय शोध कार्य किए हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस एमओयू से प्राणी विज्ञान के विद्यार्थियों को कोलकाता की प्रयोगशाला में कार्य करने का अवसर मिलेगा। साथ ही प्रशिक्षित विद्यार्थियों को क्षेत्र की जैव विविधता के संरक्षण के कार्य कर रहे हैं। संबंधित रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे।

इस दौरान गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्रख्यात पर्यावरण विज्ञानी प्रो बीडी जोशी ने टैक्सोनॉमी के इतिहास एवं इसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राणी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुबोध जैन ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्वेता यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो. जनक आही, प्रो हरेल थॉमस, प्रो. संजय जैन, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. यूके पाटिल आदि उपस्थित रहे।

प्राणीशास्त्र के अध्ययन के नए द्वार खुलेंगे : प्रो नीलिमा गुप्ता

डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं जूलोजिकल सर्वे आफ इंडिया के बीच अकादमिक समझौता हुआ। ● नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता के बीच महत्वपूर्ण अकादमिक समझौता हुआ है। जूलोजिकल सर्वे आफ इंडिया के निदेशक डा. धृति बनर्जी एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर डा. बनर्जी ने कहा कि इससे इस क्षेत्र की जैव विविधता के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी। जिसमें मुख्यालय के साथ ही सभी 16 केंद्र सहयोग करेंगे। दोनों संस्थाओं के साझा सहयोग से सेमिनार एवं वर्कशाप आयोजित किए जा सकेंगे। ताकि प्राणियों की पहचान के लिए विद्यार्थी तकनीकी जानकारी एकत्रित कर सकें। उन्होंने कहा कि कुलपति ने स्वयं जैव विविधता के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय शोध कार्य किए हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अनुबंध से प्राणी विज्ञान के विद्यार्थियों को कोलकाता की प्रयोगशाला में कार्य करने का अवसर मिलेगा। साथ ही प्रशिक्षित विद्यार्थियों को क्षेत्र की जैव विविधता के संरक्षण के कार्य में संलग्न करेंगे। इस दौरान गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के पर्यावरण विज्ञानी प्रो. बीडी जोशी ने टैक्सोनामी के इतिहास एवं इसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की।

न्यूज गैलरी

प्रो. वर्मा राधाकृष्णन गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित

प्रो. आशीष वर्मा को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। ● नवदुनिया

सागर। डा. हरीसिंह गौर विश्विद्यालय के एसएमपीएस के डीन एवं भौतिक शास्त्र विभाग के प्रो. आशीष वर्मा को उनके उत्कृष्ट शोध एवं शिक्षण कार्य के लिए ग्लोबल इकनोमिक प्रोग्रेस रिसर्च एसोसिएशन द्वारा एक प्रतिष्ठित सम्मान धभारत रत्न डा. राधाकृष्णन् गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। 29 मई को गांधीनगर बैंगलोर में प्रो. वर्मा के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में यह सम्मन प्रो. वर्मा को प्रदान किया गया। इस अवसर पर ग्लोबल इकनोमिक प्रोग्रेस रिसर्च एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी डा. आइएस बाशा व एसोसिएशन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रो. वर्मा की इस उपलब्धि पर सम्पूर्ण विश्विद्यालय परिवार गौरवान्वित है। इस अवसर पर प्रो वर्मा को भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष रणवीर कुमार, प्रो. नमीता ब्राह्मो, डॉ रेखा गर्ग सोलंकी, डा. फजल नूर, डा.अलका, डा.नीलेश जैन, डा.स्वाति मिश्रा आदि एवं शोध छात्रों में अरुण कुमार सिंह, प्रवीण लिटौरिया, स्वाति कुर्मी, शैरी नासिंर, सादाब, प्रेरणा गुप्ता, सुजाता यादव, अंकिता दुबे, स्वेता पाठक, ऋतु आर्या आदि ने हर्ष व्यक्त जताया। (नप्र)

सुविधा | विवि यूजीसी-एचआरडीसी में लाइब्रेरी साइंस विषय पर आनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ

'मनुष्य के जीवन में लाइब्रेरी का अहम योगदान है'

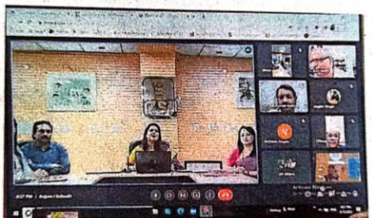

कार्यक्रम के दौरान विचार रखते हुए अतिथि। ● नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा डिजिटल ट्रांसफार्मेशन आफ़ लाइब्रेरी साइंस एजुकेशन एंड सर्विसेस विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। यह कोर्स 26 मई से 8 जून 2022 तक संचालित किया जा रहा है।

उदघाटन सत्र के अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि लाइब्रेरी का कोई आख़िरी छोर नहीं होता है और यह अनवरत विकास करती है। जबसे शिक्षा व्यवस्था की शुरुआत हुई है, लाइब्रेरी का महत्व वहीं से शुरू हो जाता है। शोधार्थी, विद्यार्थी और शिक्षक सभी के लिए लाइब्रेरी का महत्व है। बिना इसके उपयोग के ज्ञान में बढ़ोत्तरी नहीं हो सकती और न ही ज्ञान प्रदान किया जा सकता है। शिक्षकों की क्षमता निर्माण में इसका काफी योगदान है। उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में हमें नए-नए डाटा रिसोर्स और सोफ्टवेयर से परिचित होना आवश्यक है।कोरोना महामारी के कारण शिक्षा तंत्र में तकनीकी उपयोग को बढ़ावा मिला है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर, गुजरात के निदेशक प्रो. जेपी सिंह जूरेल ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण शिक्षा तंत्र में तकनीकी उपयोग को बढ़ावा मिला है। विभिन्न स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करके उनका ज्ञान वृद्धि में उपयोग करना आज के समय की मांग है। लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स को तकनीक के उपयोग का अधिकतम ज्ञान हो सके इसलिए यह रिफ्रेशर कोर्स कई मायनों में महत्वपूर्ण साबित होगा। विभिन्न विषयों के कंटेंट क्रिएशन में भी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसलिए ज्ञान प्रदान करने की नई प्राविधि भी काफी लाभकारी सिद्ध होगी जिन पर कई विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान आने वाले दिनों में होंगे। उन्होंने कई नए आयामों की तरफ भी ध्यानाकर्षण किया जिनमें अभी और काम करने की आवश्यकता है। जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय के प्रभारी प्रो. यूके पाटिल ने स्वागत भाषण दिया। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. अनुराग श्रीवास्तव ने अतिथियों का परिचय दिया। यूजीसी-एचआरडीसी निदेशक डा. आरटी बेडरे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में देश भर के कई हिस्सों के प्रतिभागी आनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

यूजीसी, एचआरडीसी में लाइब्रेरी साइंस विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ

जागरण न्यूज, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ लाइब्रेरी साइंस एजुकेशन एंड सर्विसेस विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने ज्ञान की देवी सरस्वती और संस्थापक डॉ.गौर के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। यह कोर्स 26 मई से 8 जून तक संचालित किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र के अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो.गुप्ता ने कहा कि लाइब्रेरी का कोई आखिरी छोर नहीं होता है। यह अनवरत विकास करती है। जबसे शिक्षा व्यवस्था की शुरुआत हुई है, लाइब्रेरी का महत्व वहीं से शुरू हो जाता है। शोधार्थी विद्यार्थी और शिक्षक सभी के लिए लाइब्रेरी का महत्व है। उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में हमें नए-नए डाटा रिसोर्स और सॉफ्टवेयर से परिचित होना आवश्यक है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर, गुजरात के निदेशक प्रो. जेपी सिंह जूरेल ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण शिक्षा तंत्र में तकनीकी उपयोग को बढ़ावा मिला है। विभिन्न स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करके उनका ज्ञान वृद्धि में उपयोग करना आज के समय की मांग है। लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स को तकनीक के उपयोग का अधिकतम ज्ञान हो सके इसलिए यह रिफ्रेशर कोर्स कई मायनों में महत्वपूर्ण साबित होगा। विभिन्न विषयों के कंटेंट क्रिएशन में भी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसलिए ज्ञान प्रदान करने की नई प्राविधि भी काफी लाभकारी सिद्ध होगी जिन पर कई विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान आने वाले दिनों में होंगे। उन्होंने कई नए आयामों की तरफ भी ध्यानाकर्षण किया जिनमें अभी और काम करने की आवश्यकता है। जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय के प्रभारी प्रो. यूके पाटिल ने स्वागत भाषण दिया। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अतिथियों का परिचय दिया। यूजीसी एचआरडीसी निदेशक डॉ. आरटी बेडरे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में देश भर के कई हिस्सों के प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

मनुष्य के जीवन में पुस्तकालयों का अहम योगदान : कुलपति

मनुष्य के जीवन में पुस्तकालयों का अहम् योगदान: प्रो.नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय, यूजीसी. एचआरडीसी में लाइब्रेरी साइंस विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का हुआ शुभारंभ

सागर (आरएनएन)। डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ लाइब्रेरी साइंस एजुकेशन एंड सर्विसेस विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने देवी सरस्वती और संस्थापक डॉ.गौर के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। यह कोर्स 26 मई से 08 जून 2022 तक संचालित किया जा रहा है। उदघाटन सत्र के अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि लाइब्रेरी का कोई आखिरी छोर नहीं होता है,यह अनवरत विकास करती है, जबसे शिक्षा व्यवस्था की शुरुआत हुई हैए लाइब्रेरी का महत्व वहीं से शुरू हो जाता है, शोधार्थी, विद्यार्थी और शिक्षक सभी के लिए लाइब्रेरी का महत्व है, बिना इसके उपयोग के ज्ञान में बढोत्तरी नहीं हो सकती और न ही ज्ञाने प्रदान किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में हमें नए.नए डाटा रिसोर्स और सोफ्टवेयर से परिचित होना आवश्यक है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इनफ्लिबनेट सेंटर गांधीनगर गुजरात के निदेशक प्रोण् जेपी सिंह जूरेल ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण शिक्षा तंत्र में तकनीकी उपयोग को बढ़ावा मिला है। विभिन्न स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करके उनका ज्ञान वृद्धि में उपयोग करना आज के समय की मांग है लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स को तकनीक के उपयोग का अधिकतम ज्ञान हो सके इसलिए यह रिफ्रेशर कोर्स कई मायनों में महत्त्वपूर्ण साबित होगा। विभिन्न विषयों के कंटेंट क्रिएशन में भी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है इसलिए ज्ञान प्रदान करने की नई प्राविधि भी काफी लाभकारी सिद्ध होगी जिन पर कई विषय.विशेषज्ञों के व्याख्यान आने वाले दिनों में होंग उन्होंने कई नए आयामों की तरफ भी ध्यानाकर्षण किया जिनमें अभी और काम करने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में देश भर के कई हिस्सों के प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहें।

दो हजार साल से भी अधिक पुरानी प्राचीन प्रतिमाओं के उड़ गए रंग

केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंगन में उपेक्षित बुंदेलखंड की विरासत

पत्रिका डे-स्पेशल मंडे मेगा स्टोरी

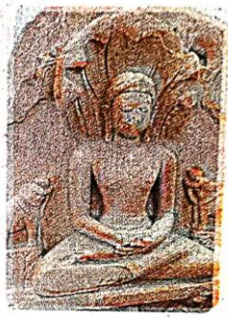

पुरातत्व संग्रहालय का तीन साल पहले हुआ था शिलान्यास, काम अब तक नहीं शुरू हुआ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुंदेलखंड की विरासत उपेक्षा की शिकार है। दो हजार साल से अधिक प्राचीन ऐतिहासिक प्रतिमाएं खुले आसमान के नीचे धूल खा रही हैं। आठवीं सदी से लेकर 11वीं सदी तक की 250 से प्रतिमाओं की अनदेखी हो रही है। इनके संरक्षण के लिए तीन साल पहले पुरातत्व संग्रहालय के निर्माण *की आधारशिला केंद्रीय मंत्री ने रखी थी, लेकिन अब तक एक ईंट नहीं रखी गई। आलम यह है कि फाइलों* के खेल में इसकी लागत दो करोड़ रुपए बढ़ गई है और अब नए सिरे से प्रस्ताव तैयार हो रहा है।

दरअसल पुरातत्व संग्रहालय का निर्माण राज्य विश्वविद्यालय के केंद्रीय विश्वविद्यालय के मर्जर से जुड़ा हुआ है। तीन साल पहले पुरातत्व संग्रहालय के निर्माण के लिए केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने 5.84 करोड़ रुपए की मंजूरी दी थी। तत्कालीन केंद्रीय संस्कृति राज्यमंत्री ने इसका शिलान्यास भी कर दिया। लेकिन जब राशि के आवंटन की बात आई तो राजकीय विश्वविद्यायल के दौरान मिले रुपयों के उपयोगिता प्रमाण पत्र को लेकर पेंच फंस गया। जिसकी फाइलें ही नहीं मिल रही थी। इस विवाद को सुलझाते हुए संस्कृति मंत्रालय ने आगे आकर विवि प्रशासन से नए सिरे प्रपोजल बनाकर भेजने की बात कही है। जानकारी के मुताबिक विवि प्रशासन ने सीपीडब्ल्यूडी से जो प्रपोजल तैयार कराया है। उसके अनुसार अब पुरातत्व संग्रहालय निर्माण 8 करोड़ रुपए की लागत से होगा।

जब डॉ हरिसिह गौर राजकीय विश्वविद्यालय था। तब 2008 में हिंदी विभाग से रिनोवेशन के लिए संस्कृति मंत्रालय को प्रपोजल भेजा था। संस्कृति मंत्रालय ने 9 लाख रुपए मंजूर किए थे। इसमें से पौने 4 लाख रुपए सिविल वर्क में खर्च हुए थे। लेकिन खर्च की गई राशि का हिसाब संस्कृति मंत्रालय को नहीं दिया गया था। पुरातत्व संग्रहालय के लिए 2019 में संस्कृति मंत्रालय ग्रांट मंजूर की थी, लेकिन मंत्रालय ने पुराने प्रपोजल का भी हिसाब मांगा। इसी से मामला अटक गया।

दो बार प्रजेंटेशन दिया, तब मिली थी मंजूरी

विश्वविद्यालय में पुरातत्व संग्रहालय बनाए जाने के लिए दो बार संस्कृति मंत्रालय के समक्ष प्रेजेंटेशन देना पड़ा था। इसके बाद ही बड़ी मुश्किल से इस प्रपोजल को मंजूरी मिली थी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस मामले में गंभीरता दिखाई थी और संस्कृति मंत्रालय से जुड़े अधिकारी से बात कर इस मसले को सुलझाया।

बाहर रखी प्रतिमाओं के उड़ने लगे रंग

विवि में करीब 250 से ज्यादा प्राचीन प्रतिमाएं है, जिन्हें व्यवस्थित रखने के लिए पुरातत्व संग्रहालय बनाया जाना जरूरी है। यहां दो हजार साल से भी अधिक पुरानी बलराम की मूर्ति रखी हुई है। वहीं, 11वीं, 13 वीं शताब्दी की प्राचीन मूर्तियां हैं। सिरदल रहली में मिली सूर्यमंदिर का सिरदल प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा शिशु को गोद में लिए 13 वीं शताब्दी की नागी प्रतिमा, महाबराह की प्रतिमा जैसी अदभुत कारीगरी वाली प्रतिमाएं विवि में रखी हुई हैं। जगह न होने के कारण बाहर रखी प्रतिमाओं के कलर जरूर उड़ रहे हैं।

विश्वविद्यालय में बहुप्रतीक्षित म्यूजियम बनाने की प्रक्रिया चल रही है। मंत्रालय से पुनरीक्षित बजट आवंटन के बाद शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

डॉ. विवेक जयसवाल, मीडिया अधिकारी

संस्कृति मंत्रालय का प्राप्त भुगतान कर दिया गया है। अब जल्द ही पुरातत्व संग्रहालय के निर्माण का काम शुरू होगा। लागत बढ़कर 8 करोड़ रुपए हो गई है।

डॉ. राघवेंद्र सिंह, सहायक प्राध्यापक इतिहास विभाग

यह रखीं हैं प्रतिमाएं

बराह प्रतिमा-यह प्रतिमा एरण से प्राप्त हुई है।यह गुप्तकालीन प्रतिमा है, जो विष्णु के बराह अवतार की प्रतिमा है।

कुबेर- ये धन के देवता है, जो कैंट से प्राप्त 11 वीं शताब्दी की कुबेर की मूर्ति है।

स्थानक सूर्य-सूर्य की मूर्ति 11 वीं सदी की है, सिसमें सूर्य को स्थानक मुद्रा में प्रदर्शित किया है।

सप्त मातृका में सात देवियों की प्रतिमा है, जो 8 वीं सदी की है, जिसे अशोक नगर से प्राप्त किया है।

गणेश प्रतिमा- नृत्य मुद्रा में यह मूर्ति है, जो 11 वीं सदी की है।

उमा महेश्वर-उमा और शिव को एक ही पीठिका पर प्रदर्शित प्रतिमा है। यह 11 वीं सदी की है।

जागरूकता रैली एवं शपथ कार्यक्रम आज

सागर, आचरण। डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा म प्र शासन द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में दिनांक 31 मई को विश्वविद्यालय में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जायेगा. विश्वविद्यालय मुख्य द्वार प्रशासनिक भवन में दोपहर 12.30 बजे कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता द्वारा समस्त अधिष्ठाताओं, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, विद्यार्थियों, अधिकारी एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई जायेगी. शपथ कार्यक्रम के समन्वयक डॉ संजय शर्मा होंगे। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर प्रभारी संपदा अधिकारी, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं सुरक्षा अधिकारी विश्वविद्यालय परिसर में धूम्रपान संबंधी गतिविधियों की रोकथाम हेतु निगरानी तथा विद्यार्थियों को शराब एवं तम्बाकू के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से नशा मुक्ति सन्देश से अवगत कराते हुए जन-जागरूकता अभियान चलाएंगे. विश्वविद्यालय परिसर में स्थित दुकानों का निरीक्षण कर तम्बाकू उत्पादों की बिक्री न किये जाने हेतु समझाईश एवं प्रतिबंधों एवं नियमों की जानकारी भी दी जायेगी।

विवि में जागरुकता रैली आज

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा मप्र शासन द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में 31 मई को विश्वविद्यालय में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जायेगा। विश्वविद्यालय मुख्य द्वार प्रशासनिक भवन में दोपहर 12.30 बजे कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता द्वारा समस्त अधिष्ठाताओं, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, विद्यार्थियों, अधिकारी एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई जायेगी। शपथ कार्यक्रम के समन्वयक डॉ संजय शर्मा होंगे। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर प्रभारी संपदा अधिकारी, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं सुरक्षा अधिकारी विश्वविद्यालय परिसर में धूम्रपान संबंधी गतिविधियों की रोकथाम हेतु निगरानी तथा विद्यार्थियों को शराब एवं तम्बाकू के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से नशा मुक्ति सन्देश से अवगत कराते हुए जनजागरूकता अभियान चलाएंगे।